

ग्रसाध(रण

EXTRAORDINARY

भाग **II—ल०३** 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकातित

## PUBLISHED BY AUTHORITY

सं o 64}

नई विल्ली, बुधवार, फरवरी 12, 1975/माघ 23, 1896

No. 641

NEW DELHI, WEDNESDAY, FEBRUARY 12, 1975/MAGHA 23, 1896

इस भाग ने भिन्न पुष्ठ संख्या दो जातो है जिससे कि यह श्रलग संकलन के रूप में रखा जा सहें।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

#### MINISTRY OF INDUSTRY AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Industrial Development)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 12th February 1975

- S.O. 92(E)/IDRA/75/1.—In exercise of the powers conferered by sub-section (1) of section 29B of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development (Department of Industrial Development) No. S.O. 98(E)/IDRA/29B/73/1, dated 16th February, 1973, namely:—
- In Schedule V to the said notification, after item No. 12, the following item shall be added, namely:—
  - "13. Formaldehyde falling under '(2) Organic heavy chemicals' under the heading "19 Chemicals (Other Than Fertilizers"."
- 2. In pursuance of sub-section (2) of section 29B of the said Act, the Central Government hereby specifies a period of six months from the date of publication of this notification as the period after the expiry of which no owner of any industrial undertaking engaged in the manufacture of Formaldehyde shall carry on the business of such undertaking, except under and in accordance with a licence issued in this behalf by the Central Government, and in the case of State Governments except under and in accordance with the previous permission of the Central Government.

[No. F. 12(104)/Lic.Pol./74]

S. K. SAHGAL, Jt. Secy.

# उद्योग श्रौर नागरिक पूर्ति मंत्रालय (श्रौद्योगिक विकास विभाग)

## ग्रधिसूचना

नई दिल्ली, 12 फरवरी, 1975

का० आ० 92(आ)/आई० डो० आर० ए०/75/1.—केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास श्रीर विनियमन), श्रिधिनियम 1951 (1951 का 65) की धारा 29ख की उपश्रारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुये, भारत सरकार के भूतपूर्व श्रीद्यौगिक विकास मंत्रालय (श्रौद्योगिक विकास विभाग) की श्रिधिसूचना सं० का० श्रा० 98 (so)/श्राई डी श्रार ए / 29ख/73/1 तारीख 16 फरवरी, 1973 में श्रीर संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाते हैं, श्रथीत :---

उक्त श्रिधिसूचना की श्रनुसूची 5 में मद सं० 12 के पश्वा त् निम्नलिखित मद जोड़ा जाएगा, श्रर्थात् :---

- ''13 ''19 रसायन (उर्वरक से भिन्न)'' शीर्षक के अधीन '(2) श्रार्गनिक भारी रसायन' के अधीन भाने वाला फोरमाल्डाइड।''
- 2. केन्द्रीय सरकार उक्त ग्रिधिनियम की धारा 29 ख की उपधारा (2) के ग्रनुसरण में इस ग्रिधिस्थना के प्रकाशन की तारीख से 6 मास की ग्रविध को ऐसी ग्रविध के रूप में विनिर्दिण्ट करती है, जिसकी समाप्ति के पश्चात् फोरमाल्डाइड के विनिर्माण में लगे हुंगे किसी ग्रौद्योगिक उपक्रम का कोई भी स्वामी इस निमित्त केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी की गई ग्रमुज्ञप्ति के श्रधीन तथा उसके ग्रमुसरण में के सिवाय ग्रीर राज्य सरकारों की दशा में केन्द्र सरकार की पूर्व ग्रमुज्ञा के ग्रधीन तथा उसके ग्रमुसरण के सिवाय, ऐसे उपक्रम का कारबार नहीं चलाएगा।

[सं॰ फा॰ 12 (104)/श्रनु॰ पोल /74] एस॰ के॰ सहगल, संयुक्त सचित्र ।